नई सोच का अखबार

अग्र भारत

www.agrabharat.in

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

वर्षः 19 | अंकः 114 | आगरा, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2.00 रू.

लखनऊ में बाढ़ से करीब तीन लाख लोग प्रभावित, बिहार में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,(ए)। मानसून की वापसी के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के विविध रूप देखने को मिल रहे हैं। उत्तर भारत में तापमान गिरने से रातें ठंडी होने लगी हैं, जबकि मध्य भारत में दिन के तापमान में बढ़ोतरी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गोमती नदी की बाढ़ पिछले 12 दिनों से लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। बाढ़ से करीब तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, बिहार के सात जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान में भी पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ठंडक बढ़ने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। पिछले 12 दिनों से जारी इस स्थिति के कारण करीब तीन लाख लोग प्रभावित हुए हैं। दूसरी ओर, बिहार के पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण और सीतामढ़ी समेत सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है।

राजस्थान में बढ़ेगी ठंडक

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में बदलाव और ठंडक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में दिन के तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। प्रदेश के 11 शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो राज्य में सबसे कम है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में भी रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

मानसून विदाई के दौरान कहीं बारिश तो कहीं बाढ़

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 12 अक्टूबर को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी लौटते मानसून के कारण बारिश होने की संभावना है। रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश में तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं, 13 अक्टूबर को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और छत्तीसगढ़ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश में तेज हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना है। इस बीच मध्य प्रदेश और गुजरात में दिन के समय बढ़ती उमस लोगों को परेशान कर रही है। इस तरह मानसून की विदाई के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कहीं बाढ़, कहीं बारिश और कहीं तापमान में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है।

नवरात्रि पर पीएम मोदी ने की राष्ट्र की एकता व प्रगति की कामना

नई दिल्ली(ए)। नवरात्र के प्रथम दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं की ओर से देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर सभी को शक्ति-साधना के महापर्व नवरात्रि की कोटि-कोटि शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि मां जगदंबा की कृपा से सबके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य का वास हो, जो राष्ट्र की एकता एवं प्रगति के संकल्प को और सशक्त करे। पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में नवरात्रि के शुभारंभ पर शांति की अधिष्ठात्री मां शैलपुत्री को नमन करते हुए कामना की कि उनकी दिव्य कृपा से सभी के मन में धैर्य और आत्मविश्वास का दीप प्रज्वलित हो तथा देशवासियों पर सदैव मां का आशीर्वाद बना रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक्स पोस्ट के जरिए शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मां शैलपुत्री के श्रीचरणों में नमन किया। उन्होंने कहा कि मां का दिव्य स्वरूप हमें प्रकृति के प्रति श्रद्धा, जीवन में दृढ़ता और प्रत्येक

परिस्थिति में अडिग रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आदिशक्ति मां शैलपुत्री से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार करने की प्रार्थना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने समस्त देशवासियों को मां आदिशक्ति के महापर्व शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि मां भगवती की उपासना और शक्ति साधना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आए। नड्डा ने मां दुर्गा से सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और कल्याण की प्रार्थना भी की। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री व विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने भी समस्त श्रद्धालुओं को शक्ति की उपासना के महापर्व शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आदिशक्ति मां जगदंबा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करने और सबके जीवन में सुख, समृद्धि व शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। पुरी से भाजपा सांसद संबित पात्रा ने भी एक्स पर पोस्ट कर आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना के पावन महापर्व के प्रथम दिन मां भगवती के श्रीचरणों में समर्पित भक्तिमय स्तुति का श्रवण करने का आग्रह किया और मां जगदंबा की कृपा सभी पर सदैव बनी रहने की कामना की।

अब सीजेपी के साथ प्रदर्शन में उतरेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली(ए)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तीन प्रमुख नेताओं, अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को हिरासत में लिए जाने के बाद दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी ने अजिंक्य शिंदे को विरोध प्रदर्शन का नया कप्तान नियुक्त किया है, जिन्होंने ऐलान किया है कि रविवार को भी आंदोलन नहीं थमेगा। राहुल गांधी ने कहा कि इस बार प्रदर्शन की आवाज़ पूरे देश में गूंजेगी और पहले से कहीं ज़्यादा जोरदार होगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, अमित शाह की दिल्ली पुलिस खुद तो गुंडागर्दी पर उतर ही आई।

गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधे चुनौती देते हुए कहा, अमित शाह, जितनी पुलिस लानी है, 10 हज़ार, 20 हज़ार, 40 हज़ार, ले आइए। भाजपा आरएसएस के जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने वाले नहीं हैं। पीछे हटने वाले नहीं हैं। ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है! उन्होंने यह भी घोषणा की कि सोमवार को वे मुख्य न्यायाधीश से भी मुलाकात करेंगे और मांग करेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार-तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। उन्होंने जोर देकर कहा, संविधान की धज्जियां उड़ेंगी और हम चुप बैठेंगे? ऐसा हरगिज़ नहीं होगा। जवाबदेही तय करवाकर रहेंगे! राहुल गांधी ने अपने विरोधियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वे नरेंद्र मोदी और आरएसएस के लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहे हैं और उन्हें अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि अब खलनायक धीरे-धीरे घिरते जा रहे हैं और इनका दायरा सिमट रहा है। यह गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी बुधवार से लेकर शुक्रवार तक दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रही थी। हालांकि, शनिवार को जब सीजेपी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश की और पूरी दिल्ली को छावनी में तब्दील कर दिया गया, तब कांग्रेस ने इस आंदोलन से दूरी बनाए रखी। बयानों के जरिए कांग्रेस जरूर भाजपा और केंद्र सरकार पर वार करती रही। राहुल गांधी शनिवार को चेन्नई में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

दिल्ली में इंटरनेट बंद पर उमर अब्दुल्ला का तंज, बोले- नए जेएंडके मॉडल में स्वागत है

नई दिल्ली (ए)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के एक प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले जंतर-मंतर के आसपास इंटरनेट सेवाओं को एहतियातन निलंबित करने पर जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेताओं ने इसे कश्मीर मॉडल करार देते हुए लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया है। खबरः जंतर-मंतर पर कॉजपा के शनिवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली में पांच किलोमीटर के दायरे में इंटरनेट सेवाएं निलंबित किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने इंटरनेट निलंबन पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कश्मीर मॉडल को दिल्ली में लागू कर दिया गया है और यह नए जम्मू-कश्मीर के मॉडल पर बनी नई दिल्ली का स्वागत है। उनके पिता और नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से निपटने का केंद्र का तरीका कश्मीर के लोगों के साथ वर्षों से किए जा रहे व्यवहार की याद दिलाता है। उन्होंने जोर दिया कि विपक्ष की आवाज दबाना और लोगों को जायज चिंताएं उठाने के अधिकार से वंचित करना लोकतंत्र की भावना को कमजोर करता है। अब्दुल्ला ने सुशासन के लिए सशक्त विपक्ष को जरूरी बताया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर में लगाई गई पाबंदियों से दिल्ली की स्थिति की तुलना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज की दिल्ली कश्मीर की भयावह याद दिलाती है, जहां लोगों को घरों में बंद कर दिया गया था और इंटरनेट बंद था। मुफ्ती ने सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान पर आरोप लगाया कि वह विरोध प्रदर्शनों को कुचलने के बाद बेशर्मी से दावा करेगा कि कोई प्रदर्शन हुआ ही नहीं।

दिल्ली मार्चः गठबंधन की रणनीति ध्वस्त, सुरक्षा एजेंसियों ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली(ए)। सीजेपी और विपक्षी इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित दिल्ली मार्च को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की सुरक्षा एजेंसियों ने पूरी तरह नाकाम कर दिया है, जिसके बाद उन्होंने राहत की सांस ली है। लुटियंस दिल्ली और जंतर-मंतर को चारों तरफ से सील कर प्रदर्शनकारियों को छोटे-छोटे समूहों में हिरासत में लेने की यह रणनीति पूरी तरह कारगर साबित हुई है।

खुफिया एजेंसियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि सीजेपी के आयोजक और विपक्षी दल छात्रों और युवाओं को आगे करके सेंट्रल दिल्ली के कई इलाकों को छोटे-छोटे जंतर-मंतर में बदलने की योजना बना रहे थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इस बार ऐसी किसी भी योजना को सफल नहीं होने देने का संकल्प लिया था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को जंतर-मंतर पर हुई हिंसक झड़पों के दौरान रणनीतिकारों ने खुफिया एजेंसियों को चकमा दिया था। उस समय केवल 1 दिन की अनुमति के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने 20 दिनों तक जंतर-मंतर पर टेंट गाड़ रखे थे। एजेंसियों के अनुसार, आयोजक बर्नर फोन, सिग्नल और पीयर-टू-पीयर मैसेजिंग ऐप्स जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर पुलिस को चकमा दे रहे थे। एक उच्च सरकारी अधिकारी ने कहा, पिछली बार उन पर भरोसा करना और जंतर-मंतर पर जमघट लगाने देना हमारी भूल थी, जिसकी वजह से छात्र और युवा गुमराह हुए। इस बार हम फिर से उस जाल में न फंसने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। सरकार के सख्त रुख को रेखांकित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कड़ा संदेश दिया, लोकतंत्र में असहमति और विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार सभी को है, लेकिन अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं की साख को गिराने और नष्ट करने की किसी भी साजिश को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। मैश मैसेजिंग ऐप्स और रियल-टाइम इंटेलिजेंस से कसा शिकंजा दिल्ली पुलिस की सफलता के पीछे एक विस्तृत सुरक्षा योजना और एडवांस तकनीक की मुख्य भूमिका रही। पुलिस ने जंतर-मंतर से काफी दूर ही 37 से ज्यादा जगहों पर मजबूत बैरिकेडिंग और पैरामिलिट्री बलों की तैनाती कर दी। इससे प्रदर्शनकारियों के छोटे समूह आपस में मिलकर बड़ी भीड़ नहीं बना सके। मैश मैसेजिंग ऐप्स और डिजिटल सर्विलांस के जरिए पुलिस के कमांड सेंटर को प्रदर्शनकारियों की लाइव लोकेशन, भीड़ के आकार और उनकी आवाजाही की पल-पल की जानकारी मिलती रही, जिससे सुरक्षा बल समय रहते उन रास्तों पर नाकेबंदी करने में सफल रहे।

24 साल बाद मिला बिछड़ा परिवार, ठाणे पुलिस ने छह घंटे में खोज निकाले अपनों के ठिकाने

ठाणे, (ए)। बचपन में परिवार से बिछड़ने का दर्द लेकर पिछले कई वर्षों से अपनों की तलाश कर रही भारती अश्रू कदम को आखिरकार 24 साल बाद अपने परिवार का पता मिल गया। ठाणे पुलिस की बाल संरक्षण इकाई ने महज छह घंटे में पुराने पुलिस रिकॉर्ड और वर्ष 2002 की मतदाता सूची की मदद से उनके परिवार को खोज निकाला। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए भारती की उनके भाई-बहनों से मुलाकात कराई गई। लंबे समय बाद अपनी बहन को देखकर परिवार के सदस्यों की आंखें नम हो गईं। जानकारी के मुताबिक, भारती अश्रू कदम वर्ष 2002 में बचपन में अपने परिवार के साथ मुंबई में मामा के घर आई थीं। इसी दौरान वह परिवार से बिछड़ गईं। बाद में वह नवी मुंबई के बेलापुर पुलिस को मिलीं। पुलिस ने उनके परिवार का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्हें बालगृह में रखा गया। समय बीतने के साथ भारती का विवाह हो गया और उनका नाम जान्हवी वैभव झांबरे हो गया। वर्तमान में वह सोलापुर में रहती हैं और उनके एक बेटा तथा एक बेटी हैं। हालांकि, बचपन में परिवार से बिछड़ने की कसक उनके मन में हमेशा बनी रही। वह पिछले आठ वर्षों से अपने परिवार को खोजने का प्रयास कर रही थीं। दूसरी ओर, उनके भाई विजय अश्रू कदम भी अपनी बिछड़ी हुई बहन की तलाश में जुटे थे।

हाथ पर गुदे नाम से मिली अहम सुराग

बीते 8 अक्टूबर को भारती ने ठाणे शहर पुलिस के बाल संरक्षण कक्ष से संपर्क किया और अपने परिवार को खोजने में मदद मांगी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुराने पुलिस रिकॉर्ड खंगाले गए और नवी मुंबई पुलिस से संपर्क किया गया। जांच के दौरान भारती के हाथ पर गुदा हुआ 'भारती अश्रू कदम' नाम पुलिस के लिए अहम सुराग साबित हुआ। इस नाम के आधार पर पुलिस ने वर्ष 2002 की पुरानी मतदाता सूची और अन्य अभिलेखों की बारीकी से जांच की। इस दौरान उनके भाई के नाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

छह घंटे में परिवार तक पहुंची पुलिस

पुलिस ने मतदान केंद्रस्तरीय अधिकारियों की मदद से परिवार का पता लगाया। इसके बाद भारती के भाइयों प्रकाश और विजय तथा बहन शालिनी से संपर्क स्थापित किया गया। पुलिस ने वीडियो कॉल के माध्यम से भारती की उनके भाई-बहनों से बातचीत कराई। करीब 24 साल बाद अपनी बहन को सामने देखकर परिवार के सदस्य भावुक हो गए। बचपन में बिछड़ी भारती को आखिरकार अपने अपनों से जुड़ने का मौका मिला।

पहले सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सीजेपी नेता, फिर वापस ले ली याचिका

नई दिल्ली,(ए)। काकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके, सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन के लिए जंतर-मंतर जाने से पहले इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर हिरासत में ले लिया गया। इन नेताओं की रिहाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया, लेकिन कुछ ही घंटों बाद याचिका वापस भी खींच ली गई।

दीपके, दास और रांका को शनिवार सुबह उस समय हिरासत में लिया गया जब वे मुंबई से दिल्ली लैंड हुए थे। विमान से उतरने से पहले ही पुलिसकर्मियों ने उन्हें डिटेन कर लिया और अपने साथ ले गए। जहां हजारों सीजेपी समर्थकों को देर शाम तक रिहा कर दिया गया, वहीं ये तीनों नेता अभी भी पुलिस हिरासत में हैं।

सीजेपी से जुड़े गौरव भाटी ने सर्वोच्च अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण और हिरासत में लिए गए सभी लोगों

की रिहाई की मांग करते हुए व्यक्तिगत तौर पर याचिका दायर की थी। याचिका में मांग की गई थी कि हिरासत में लिए गए सभी लोगों की पहचान सार्वजनिक की जाए और प्रत्येक के मामले में परिस्थिति तथा कानूनी आधार बताया जाए। हालांकि, कुछ ही घंटों बाद भाटी ने अपनी याचिका वापस लेने की अपील कर दी। यह अभी साफ नहीं है कि उन्होंने अपने कदम वापस क्यों खींचे हैं। इस बीच, रविवार को सुप्रीम कोर्ट में ट्रेन-मेट्रो आदि पर लगाई गई पाबंदियों से जुड़ी एक अवमानना याचिका पर भी सुनवाई होगी। सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने अभूतपूर्व सुरक्षा बंदोबस्त किए। सीजेपी के बड़े नेताओं, चार पूर्व मुख्यमंत्रियों और एक यूट्यूबर सहित सात हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल जंतर-मंतर पूरे दिन सुनसान नजर आया। प्रदर्शनकारियों को इलाके से दूर रखने के लिए लुटियन दिल्ली में 30 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई और कई स्तरों पर बैरिकेड लगाकर कड़ा पहरा दिया गया। इन सब के बावजूद, सीजेपी ने रविवार को भी आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है और जंतर-मंतर पर जाकर प्रदर्शन करने पर अड़ी हुई है।

पर्व से पूर्व खाद्य प्रतिष्ठानों पर सघन जांच, पिस्ता हाउस से हजारों का माल जब्त

जब्त की गई सामग्री की कीमत करीब 56,400 रुपए

पटना (ए)। पर्व से पहले खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसपी वर्मा रोड स्थित पिस्ता हाउस, पाइरेट्स आफ ग्रिल और अन्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। पिस्ता हाउस में 58.5 किलोग्राम ड्राय फ्रूट्स व अन्य खाद्य सामग्री जब्त की गई और एक्सपायरी तंदूरी व गरम मसाले के 117 पैकेट नष्ट किए गए। खाद्य संरक्षा विभाग ने कमियां दूर करने के निर्देश दिए। खाद्य संरक्षा अधिकारी ने भंडारण, रसोई की स्वच्छता, जल निकासी, कीट नियंत्रण और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता की जांच की। पिस्ता हाउस से 15 किलोग्राम ड्राय चेरी, 42 किलोग्राम ड्राय पाइनएप्पल, 32 किलोग्राम ड्राय जिंजर और 7.5 किलोग्राम डेट्स पेस्ट जब्त किया गया। इनका मूल्य करीब 56,400 रुपये बताया गया। डेट्स पेस्ट की ब्रांडिंग में अनियमितता और आयातित खाद्य पदार्थों पर आवश्यक विवरण का अभाव मिला। एमडीएच तंदूरी मसाले के 66 पैकेट (6,468 रुपये) और गरम मसाले के 51 पैकेट (5,559 रुपये) एक्सपायरी पाए गए। सभी पैकेट नष्ट करा दिए गए। पाइरेट्स आफ ग्रिल से पांच किलोग्राम लाल मिर्च पाउडर, पांच किलोग्राम धनिया पाउडर और सोंठ पाउडर के तीन पैकेट जब्त किए गए। इनकी कीमत क्रमशः 62,500 रुपये, 4,500 रुपये और 1,050 रुपये बताई गई। लाल मिर्च पाउडर की मात्रा और कीमत के अनुपात पर विभागीय विवरण की पुष्टि आवश्यक बताई गई। रसोई के जल निकासी मार्ग पर पानी जमा था और फ्रीजर में शाकाहारी-मांसाहारी खाद्य पदार्थ साथ रखे थे। बिल पर एफएसएसएआइ लाइसेंस संख्या नहीं थी। आटो-जेनरेटेड निरीक्षण रिपोर्ट में 116 में से 112 अंक यानी 97 प्रतिशत मिले। संचालक को खाद्य सामग्री अलग रखने, जल निकासी सुधारने और माप उपकरणों का कैलिब्रेशन कराने के निर्देश दिए गए। बर्गर सिंह हाउस से इमल्सीफाइड सास (फ्राइ डिप) और मेयोनेज के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए।